कक्षा–5
अनुच्छेद लेखन

विजयदशमी (दशहरा)

जब–जब होय धर्म की हानि। बाढ़हि असुर महा अभिमानी।
तब–तब धरि प्रभु मनुज सरीरा। हरहिं सकल सज्जन भव–पीरा।।

भूमिका– संसार में जब–जब आसुरी प्रवृत्तियाँ बढ़ जाती हैं, अधर्म धर्म पर हावी हो जाता है तब आसुरी शक्तियों का दमन करने के लिए अवतारी शक्तियाँ पृथ्वी पर अवतार लेती हैं। विजयदशमी का पर्व भी इसी परंपरा का प्रतीक है। यह विजय पर्व है। यह शक्ति पर्व है, जिनमें मनाए जाने वाले नवरात्रि–पूजन, दुर्गा पूजन, और शस्त्र पूजन सभी शक्ति तथा पावनता के प्रतीक है।

मनाने का समय– विजयदशमी का पर्व आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की दशमी को मनाया जाता है। एक पौराणिक कथा के अनुसार महिषासुर नाम के दैत्य के अत्याचारों से पीड़ित हो कर जब देवगण व्याकुल हो उठे तो सारे देवता भगवान शंकर की शरण में गए। महादेव की क्रोधाग्नि से एक महाशक्ति (भगवती दुर्गा) का जन्म हुआ। सभी देवताओं ने जिसे शस्त्रास्त्र प्रदान किए। इस शक्ति ने नौ दिन संघर्षरत रहकर दसवें दिन आश्विन शुक्ल महिषासुर का वध किया।

देश के विभिन्न भागों में विजयदशमी– भगवती दुर्गा की ही भाँति इसी दिन श्रीराम ने भी लंका के राक्षस राजा रावण का वध किया था। गुजरात में इस पर्व पर लोग गरबा नृत्य, के साथ पूजन करते हैं बंगाल में यह त्योहार दुर्गा–पूजा के रूप में मनाया जाता है। महाराष्ट्र में इस दिन शमी के वृक्ष का पूजन किया जाता है, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में इस अवसर पर विशाल मेला लगता है। उत्तर भारत में स्थान–स्थान पर रामलीलाएँ प्रारंभ हो जाती हैं। विजयदशमी के दिन रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के विशाल पुतलों में आग लगाई जाती है। श्री राम द्वारा छोड़े एक अग्निबाण से पुतले जल उठते हैं और उनमें भरी आतिशबाजी से जनसमूह आनंदित हो उठता है।

उपसंहार– विजयदशमी का त्योहार हिंदु जनमानस के लिए श्रद्धा और विजयोल्लास का प्रतीक है। यह त्योहार हमें सत्य, धर्म तथा अच्छाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

(FA – III) आदर्श प्रश्न पत्र
कक्षा–5
विषय – हिन्दी

खण्ड 'क' {अपठित गद्यांश}

दूसरों को दुख देना हिंसा है, इसके विपरीत भावना ही अहिंसा है। मन वचन तथा कर्म से दूसरों को कष्ट न पहुँचाना अहिंसा है। भारतवर्ष में बहुत से धर्म हैं उन सब धर्मों में अहिंसा का महत्वपूर्ण स्थान है। इस संसार में कोई भी धर्म ऐसा नहीं है, जिसमें अहिंसा का महत्व स्वीकार न किया गया हो। 'अहिंसा परम धर्म है' – ऐसा सब शास्त्र कहते हैं। भारतीय संस्कृति का मूल आधार अहिंसा है। महात्मा गाँधी सत्य और अहिंसा के महान पुजारी थे। उन्होंने अहिंसा के शस्त्र से भारत को आज़ाद कराया। भगवान बुद्ध, महावीर, सम्राट अशोक ने अहिंसा का प्रचार किया। संसार को स्वर्ग के समान सुखकर एवं शांतिमय बनाने के लिए अहिंसा का पालन करना आवश्यक है।

I. गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें–

1. अहिंसा क्या है?
2. गाँधी जी किसके पुजारी थे?
3. गाँधी जी के अतिरिक्त अहिंसा का प्रचार करने वाले अन्य महापुरुषों के नाम लिखें–
4. संसार को स्वर्ग के समान बनाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?
5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए–

खण्ड 'ख' {रचनात्मक लेखन}

II. रचनात्मक लेखन–

खण्ड 'ग' {व्याकरण}

III. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखें–

अमृत, आग, ईश्वर

IV. क्रिया की परिभाषा लिखें और उसके भेदों के नाम लिखें–

V. क्रिया शब्द छाँट कर लिखें–

1. सुमित बाज़ार गया है।
2. माता जी कल पूना जाएँगी।
3. भारत की राजधानी दिल्ली है।
4. पतंग उड़ रही है।

VI. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियापद को रेखांकित करें व उनके भेद लिखिए–

1. सुनीता गाती है।
2. रेखा पत्र लिख रही है।
3. राहुल सोता है।
4. माँ कपड़े धो रही है।

खण्ड 'घ' {साहित्य}

VII. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखें–

तथ्य, सचेत, चटकीं, अगवानी

VIII. खाली स्थान भरें–

1. पंछी .... कलियाँ .... डाल–डाल में .... लटकीं, ... में शोर मच गया।
2. गाँव में...ऋतु की विदाई पर एक ....मनाया जाता है।

IX. वाक्य बनाइए–

किनारे–किनारे, ताबड़–तोड़

X. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

1. 'हतिया' नामक गाँव कहाँ स्थित है?
2. गाँव वालों की शत्रुता किससे थी?

XI. प्रश्नों के उत्तर विस्तार में लिखें–

1. सूरज ने किस–किस को जगाने की बात की है?
2. गाँव में मंदिर कहाँ स्थित है? और उसमें किसकी मूर्तियाँ हैं?

कक्षा – 5

विषय – हिन्दी

पाठ – दो माताएँ

I. प्रश्न–उत्तर

1. भारत के तथ्य और बेतार विभाग के कर्मचारी क्या काम करते हैं?
2. विभाग के कर्मचारियों को किस बात का दुख था?
3. मुखिया ने जंगल में जाकर क्या देखा?
4. माँ हथिनी गड्ढे के चारों तरफ चक्कर क्यों लगा रही थी?

II. रचनात्मक कार्य

1. आपने एक कहानी पढ़ी और उस कहानी में आपको कुछ बातें बहुत अच्छी लगी। अपने मित्र को बताते हुए एक पत्र लिखो।